Seventeenth Loksabha

p>

Title: Regarding problems faced by M/s Shri Rajasthan Sintex Limited (SRSL) industry workers in Dungarpur, Rajasthan.

श्री कनकमल कटारा (बांसवाड़ा): सभापति महोदय, मुझे आदिवासी क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण विषय को उठाने के लिए आपने इजाजत दी है । मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र बांसवाड़ा, राजस्थान के डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर एकमात्र संगठित बड़े पैमाने का उद्योग मेसर्स श्री राजस्थान सिंटेक्स लिमिटेड (S.R.S.L) है, जिसकी स्थापना सन् 1979 में माननीय श्री भैरो सिंह जी शेखावत तत्कालीन मुख्य मंत्री द्वारा दूरदर्शी नेतृत्व में भा.ज.पा. सरकार की औद्योगिक नीति के भाग के रूप में की गई थी ।

महोदय, इस मिल में 2000 से अधिक श्रमिक अनुसुचित जाति, जनजाति, ओबीसी और सामान्य श्रेणी के जिले के विभिन्न हिस्सों मे रहते हैं । राजस्थान में विगत तीन वर्षों से बिजली की लागत 3 रुपये प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है । क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज, अतिरिक्त अधिभार में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण टैक्स के माध्यम से बिजली के आयात में बाधाएं हैं ।

कंपनी को बिजली की नियमित आपूर्ति नहीं होने, वाणिज्यिक बैंकिंग सुविधाओं की गैर उपलब्धता, जिले में सार्वजनिक परिवहन खराब होने से श्रमिकों की अनुपस्थिति, पानी की आपूर्ति नहीं होने एवं कॉमन ई.टी.पी. प्लांट उपलब्ध नहीं से बहुत सारा नुकसान उठाना पड़ रहा है । मिल बंद होने की स्थिति में है, जिससे कई गरीब मजदूर बेरोजगार हो जाएँगे ।

महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि डूंगरपुर जिला अनुसूचित क्षेत्र मे आता है । आपसे प्रार्थना है कि राजस्थान सरकार को निर्देश दें कि डूंगरपुर-बांसवाड़ा और इस आदिवासी क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र को बचाने के लिए मौजूदा, नए उद्योगों के लिए भारतीय ऊर्जा विनिमय के माध्यम से आयातित बिजली पर क्रॉस सब्सिडी पर सरचार्ज, अतिरिक्त अधिभार और बिजली शुल्क

में छूट देकर बिजली की लागत में राहत प्रदान करें, जिससे मिल चल सके । यही समस्या भीलवाड़ा क्षेत्र में है ।...(व्यवधान)